भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.03.2026 के

तारांकित प्रश्न सं. 272 का उत्तर

रेलवे के बजटीय अनुदान का उपयोग

***272. श्रीमती शांभवी:**

श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मंत्रालय द्वारा बजटीय अनुदान और विनियोजन की धनराशि के उपयोग का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त वित्तीय वर्ष के लिए आवंटित 2.5 लाख करोड़ रुपए में से लगभग अस्सी प्रतिशत राशि व्यय कर ली गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) वे प्रमुख क्षेत्र/परियोजनाएं कौन-कौन सी हैं जिन पर विशेषकर खगड़िया, समस्तीपुर, सूरत, गाजियाबाद, सागर और जमुई लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में यह धनराशि व्यय की गई है;

(घ) क्या व्यय की निगरानी करने, वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने और लागत में वृद्धि को रोकने के लिए कोई तंत्र स्थापित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या प्राथमिकता वाली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्ष के दौरान कोई पुन: आबंटन/अनुपूरक प्रावधान किए गए थे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) भावी योजना बनाने हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान वास्तविक व्यय तथा विगत वर्षों के लक्ष्यों और उपयोग का तुलनात्मक ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 11.03.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 272 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च): भारतीय रेल द्वारा सकल बजटीय आवंटन का उपयोग इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

वित्त वर्ष	सकल बजटीय आवंटन	% उपयोग
2024-25	2,52,200	100%
2025-26	2,52,200	लगभग 97% (09.03.2026 की स्थिति के अनुसार)

भारतीय रेल ने हाल के वर्षों में अपनी परियोजना निष्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। नेटवर्क क्षमता के विस्तार हेतु रेलवे के लिए सकल बजटीय आवंटन वित्त वर्ष 2014-15 में 32,300 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 8 गुना बढ़ाकर वित्त वर्ष 2025-26 में 2,52,200 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृत/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है न कि राज्य-वार/निर्वाचन क्षेत्र-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। जिन प्रमुख क्षेत्रों पर व्यय किया गया उनमें नई लाइनें, दोहरीकरण, मल्टीट्रैकिंग, आमान परिवर्तन, ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल का निर्माण, स्टेशन पुनर्विकास और यात्री सुविधाएं आदि शामिल हैं। राज्य-वार विवरण इस प्रकार है:

बिहार

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए वार्षिक बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹1,132 करोड़ प्रतिवर्ष
2025-26	₹10,066 करोड़ (लगभग 9 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-2025 के दौरान बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए गए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 किलोमीटर	63.6 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	1,899 किलोमीटर	172.6 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2.5 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 86,107 करोड़ रुपए लागत वाली 4,663 किलोमीटर लंबाई की 52 रेल परियोजनाएं (31 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 20 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की सं.	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (किलोमीटर में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	31	2691	516	16,814
आमान परिवर्तन	1	69	52	544
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	20	1,904	446	11,995
कुल	52	4,663	1,014	29,353

बिहार के खगड़िया, जमुई और समस्तीपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में पड़ने वाली बड़ी परियोजनाओं की स्थिति निम्नानुसार है:

परियोजना का नाम	कुल लंबाई (किमी में)	कमीशन की गई लंबाई (किमी में)	शेष लंबाई की स्थिति (किमी में)
सकरी-हसनपुर नई लाइन	84	54 किमी कमीशन किया गया। कमीशन किए गए खंड: • सकरी-हरनगर (44 किमी) • बिथान-हसनपुर रोड (10 किमी)	30 किमी शेष। शेष खंड हरनगर-बिथान (30 किमी) में कार्य शुरू किए गए
समस्तीपुर-दरभंगा का दोहरीकरण	38	26 किमी कमीशन किया गया। कमीशन किए गए खंड: • समस्तीपुर-रामभद्रपुर (16 किमी) • थलवारा-दरभंगा (10 किमी)	12 किमी शेष। शेष खंड रामभद्रपुर-थलवाड़ा (12 किमी) में कार्य शुरू किए गए

खगड़िया-कुशेश्वरस्थान नई लाइन	41	19 किमी कमीशन किया गया। कमीशन किया गया खंड: • खगड़िया-अलौली (19 किमी)	22 किमी शेष। • शेष खंड अलौली-कुशेश्वरस्थान (22 किमी) में कार्य शुरू किए गए
झाझा-बतिया नई लाइन	20	-	• कार्य शुरू किए गए

हाल ही में बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली तथा पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	मुंगेर पुल (19 किलोमीटर)	2,774
2	कोसी पुल (22 किलोमीटर)	516
3	पटना पुल (40 किलोमीटर)	3,555
4	हाजीपुर-बछवारा दोहरीकरण (72 किलोमीटर)	930
5	किउल-गया दोहरीकरण (123 किलोमीटर)	1,200
6	कारोटा पटनेर-मनकाठा-सतह त्रिभुज (8 किलोमीटर)	129
7	रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन और रामपुरहाट-मुरराय-तीसरी लाइन (160 किलोमीटर)	1,500
8	जयनगर-दरभंगा-नरकटियागंज और नरकटियागंज-भिखना टोरी आमान परिवर्तन (295 किलोमीटर)	1,193
9	सकरी-लौकाहा बाजार-निर्माली और सहरसा-फोर्ब्सगंज आमान परिवर्तन (206 किलोमीटर)	2,113
10	बख्तियारपुर फ्लाईओवर (4 किलोमीटर)	402
11	कोसी नदी पर पुल सहित कटारेह-कुर्सेला पट्टी का दोहरीकरण (7 किलोमीटर)	222
12	अररिया-गल्गलिया नई लाइन (111 किलोमीटर)	4,415

इसके अलावा, बिहार में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली तथा शुरू की गई मुख्य परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	सीतामढ़ी-शिवहर नई लाइन (28 किलोमीटर)	567
2	सकरी-हसनपुर नई लाइन (76 किलोमीटर)	735
3	खगड़िया-कुशेश्वरस्थान नई लाइन (42 किलोमीटर)	1,511
4	नेऊरा-दनियावां-बिहारशरीफ-बारबिघा-शेखपुरा नई लाइन (166 किलोमीटर)	2,200
5	कोडरमा-तिलैया नई लाइन (65 किलोमीटर)	1,626
6	हाजीपुर-सगौली नई लाइन (151 किलोमीटर)	2,087
7	अररिया-सुपौल नई लाइन (96 किलोमीटर)	1,605
8	गंगा नदी पर पुल सहित विक्रमशिला-कटारिया नई लाइन (26 किलोमीटर)	2,090
9	हंसडीहा-गोड्डा नई लाइन (30 किलोमीटर) को छोड़कर पीरपैंती-जसीडीह नई लाइन (97 किलोमीटर)	2,140
10	सोननगर-पतरातू मल्टीट्रैकिंग (291 किलोमीटर)	5,148
11	समस्तीपुर-दरभंगा दोहरीकरण (38 किलोमीटर)	624
12	रामपुर डुमरा-ताल-राजेन्द्र पुल-अतिरिक्त पुल और दोहरीकरण (14 किलोमीटर)	1,677
13	सगौली-वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (110 किलोमीटर)	1,280
14	मुजफ्फरपुर-सगौली दोहरीकरण (101 किलोमीटर)	1,465
15	बरौनी-बछवारा तीसरी और चौथी लाइन (32 किलोमीटर)	124
16	सोन नगर-अंडाल मल्टी ट्रैकिंग (749 किलोमीटर)	12,334
17	बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया दोहरीकरण (104 किलोमीटर)	2,192
18	बख्तियारपुर-फतुहा तीसरी और चौथी लाइन (24 किलोमीटर)	931

मध्य प्रदेश

हाल ही के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹632 करोड़ प्रतिवर्ष
2025-26	₹14,745 करोड़ (23 गुना से अधिक)

2009-14 और 2014-25 के दौरान मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	145 किलोमीटर	29 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	2651 किलोमीटर	241 किलोमीटर प्रतिवर्ष (8 गुना से अधिक)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 89,542 करोड़ रुपए लागत की 4,740 किलोमीटर कुल लंबाई की 24 रेल परियोजनाएं (08 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 14 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	8	1,914	544	15,069
आमान परिवर्तन	2	809	430	6,766
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	14	2,017	1,118	19,566
कुल	24	4,740	2,093	41,401

मध्य प्रदेश के सागर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में पड़ने वाली बड़ी परियोजनाओं की स्थिति निम्नानुसार है:

परियोजना का नाम	कुल लंबाई (किमी में)	कमीशन की गई लंबाई (किमी में)	शेष लंबाई की स्थिति (किमी में)
कटनी-बीना तीसरी लाइन	263	• परियोजना कमीशन की गई।	-
झांसी-बीना तीसरी लाइन	153	133 किमी कमीशन किया गया। कमीशन किए गए खंड:	20 किमी शेष। शेष खंडों जाखलौन-धौरा (12 किमी) और आगासौद-बीना (8 किमी) में कार्य शुरू किया गया।

		• झांसी-जाखलौन (107 किमी) धौरा-आगासोद (26 किमी)	
इटारसी-बीना चौथी लाइन (237 किमी)	237	-	हाल ही में स्वीकृत किया गया।

मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	अनूपपुर-कटनी तीसरी लाइन (165 किलोमीटर)	2,311
2.	पेन्ड्रा रोड-अनूपपुर तीसरी लाइन (50 किलोमीटर)	394
3.	बिलासपुर में फ्लाईओवर सहित खोडरी-अनूपपुर दोहरीकरण (72 किलोमीटर)	792
4.	भोपाल-बीना तीसरी लाइन (145 किलोमीटर)	1,075
5.	बीना-कोटा दोहरीकरण (283 किलोमीटर)	2,477
6.	बालाघाट-कटंगी सहित जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 किलोमीटर)	2,005
7.	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 किलोमीटर)	1,512
8.	छिंदवाड़ा-मंडला फोर्ट आमान परिवर्तन (182 किलोमीटर)	1,268
9.	घाट पिंडारी-बलखेड़ा दोहरीकरण (6 किलोमीटर)	29
10.	गुना-रूठियाई दोहरीकरण (20 किलोमीटर)	175
11.	कटनी यार्ड को बाईपास करते हुए झुकेही कॉर्ड लाइन (2 किलोमीटर)	12
12.	सोनतलाई-बागरातवा दोहरीकरण (7 किलोमीटर)	110
13.	इटारसी-बुधनी तीसरी लाइन (25 किलोमीटर)	286
14.	तीगांव-चिचोंडा घाट खंड तीसरी लाइन (17 किलोमीटर)	176
15.	बरखेड़ा-भोपाल तीसरी लाइन (41 किलोमीटर)	473
16.	गंभीर पुल का नागदा-उज्जैन दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	28
17.	नीमच-चित्तौड़गढ़ दोहरीकरण (56 किलोमीटर)	560
18.	बुधनी-बरखेड़ा तीसरी लाइन (27 किलोमीटर)	1,703

19.	इंदौर-देवास-उज्जैन दोहरीकरण (79 किलोमीटर)	757
20.	पावरखेड़ा-जुझारपुर रेल फ्लाईओवर (16 किलोमीटर)	443
21.	गुना-इटावा नई लाइन (348 किलोमीटर)	683
22.	रमना-सिंगरौली दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	2,436
23.	करैला रोड-शक्तिनगर दोहरीकरण (32 किलोमीटर)	763
24.	मालखेड़ी-महादेवखेड़ी दोहरीकरण (12 किलोमीटर)	59

मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली और शुरू की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	शहडोल-सिंहपुर चौथी लाइन (6 किलोमीटर) (शहडोल निर्वाचन क्षेत्र से गुजरते हुए)	54
2.	कटनी-ग्रेड सेपरेटर/बाईपास (35 किलोमीटर)	2300
3.	कटनी-सिंगरौली दोहरीकरण (257 किलोमीटर)	4377
4.	ललितपुर-सतना, रीवा-सिंगरौली और महोबा-खजुराहो नई लाइन (541 किलोमीटर)	8914
5.	रामगंजमंडी-भोपाल नई लाइन (277 किलोमीटर)	5073
6.	इंदौर-बुधनी नई लाइन (198 किलोमीटर)	7474
7.	नीमच-बड़ी सादड़ी नई लाइन (48 किलोमीटर)	495
8.	कोटा तक विस्तार के साथ ग्वालियर-श्योपुर कलाँ आमान परिवर्तन (284 किलोमीटर)	2913
9.	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 किलोमीटर)	2450
10.	झांसी-बीना तीसरी लाइन (153 किलोमीटर)	2002
11.	मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 किलोमीटर)	5924
12.	झांसी-कैरार-मानिकपुर और खिरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 किलोमीटर)	4330
13.	सतना-रीवा दोहरीकरण (50 किलोमीटर)	590
14.	रूठियाई बाईपास लाइन (3 किलोमीटर)	54
15.	गुना बाईपास लाइन (2 किलोमीटर)	179
16.	उज्जैन फ्लाई ओवर (2 किलोमीटर)	100
17.	मनमाड-इंदौर नई लाइन (360 किलोमीटर)	18529

18.	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किलोमीटर)	3285
19.	दाहोद-इंदौर नई लाइन (205 किलोमीटर)	9746
20.	नीमच-रतलाम दोहरीकरण (133 किलोमीटर)	1096
21.	छोटा उदेपुर-धार नई लाइन (147 किलोमीटर)	1794
22.	रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन (41 किलोमीटर)	964
23.	वड़ोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी लाइन (259 किलोमीटर)	8387
24.	रतलाम-खंडवा आमान परिवर्तन (299 किलोमीटर)	7265
25.	बीना-इटारसी चौथी लाइन (237 किलोमीटर)	4329
26.	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 किलोमीटर)	5010

गुजरात

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं एवं संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	589 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2025-26	17,155 करोड़ रुपए (29 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ को कमीशन करने/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	660 किलोमीटर	132 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	2,764 किलोमीटर	251 किलोमीटर प्रतिवर्ष (लगभग 2 गुना)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 30,275 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 2,564 किलोमीटर लंबाई की 36 रेल परियोजनाओं (06 नई लाइन, 17 आमान परिवर्तन और 13 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। विवरण निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	6	532	105	5,494
आमान परिवर्तन	17	1379	718	6,213
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	13	653	40	1,158
कुल	36	2,564	863	12,865

गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	महेसाना-तारंगा हिल आमान परिवर्तन (210 किलोमीटर)	891
2	हिम्मतनगर-खेडब्रह्मा आमान परिवर्तन (55 किलोमीटर)	482
3	अहमदाबाद-बोटाद आमान परिवर्तन (170 किलोमीटर)	1,810
4	ढसा-जेतलसर आमान परिवर्तन (104 किलोमीटर)	1,024
5	अहमदाबाद-महेसाना आमान परिवर्तन (69 किलोमीटर)	874
6	कटोसन-चाणस्मा आमान परिवर्तन (38 किलोमीटर)	484
7	कलोल-कडी-कटोसन आमान परिवर्तन (37 किलोमीटर)	347
8	विजापुर-आंम्बलियासन आमान परिवर्तन (42 किलोमीटर)	415
9	केवडिया तक विस्तार के साथ डभोई-चांदोद आमान परिवर्तन (50 किलोमीटर)	1,018
10	विरमगाम-सामाखियाली दोहरीकरण (182 किलोमीटर)	1,492
11	पालनपुर-सामाखियाली दोहरीकरण (247 किलोमीटर)	2,538
12	महेसाना-पालनपुर दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	537
13	सुरेंद्रनगर-राजकोट दोहरीकरण (116 किलोमीटर)	1,425
14	आणंद-गोधरा दोहरीकरण (79 किलोमीटर)	692
15	वटवा-अहमदाबाद तीसरी लाइन (8 किलोमीटर)	61
16	वीरमगाम-सुरेंद्रनगर दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	382
17	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 किलोमीटर)	2,448

गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली और शुरू की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	नलिया-जखाउ पोर्ट नई लाइन (25 किलोमीटर)	410
2	मियागाम-कर्जन-चोरंदा-मालसर आमान परिवर्तन (37 किलोमीटर)	450
3	जंबुसर-कावि आमान परिवर्तन (26 किलोमीटर)	318
4	कोसंबा-उमरपाड़ा आमान परिवर्तन (70 किलोमीटर)	468
5	खिजड़िया-अमरेली आमान परिवर्तन (17 किलोमीटर)	178
6	बरेजदी-नांदेज (गेरातपुर)-साणंद चौथी लाइन (38 किलोमीटर)	962
7	सामाख्याली-गांधीधाम चौहरीकरण (53 किलोमीटर)	1430
8	विश्वामित्री-दाभोई दोहरीकरण (33 किलोमीटर)	394
9	तारंगा हिल-अम्बाजी-आबू रोड नई लाइन (116 किलोमीटर)	2798
10	साबरमती डी केबिन-सरखेज दोहरीकरण (21 किलोमीटर)	323
11	देशलपुर-हाजीपुर-लुना और वायोर-लखपत नई लाइन (145 किलोमीटर)	2526
12	वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी लाइन (259 किलोमीटर)	8387
13	राजकोट-कानालुस दोहरीकरण (111 किलोमीटर)	1081

सूरत निर्वाचन क्षेत्र में संपर्कता में सुधार लाने के लिए निम्नलिखित परियोजनाएं/सर्वेक्षण शुरू किए गए हैं:

1) महाराष्ट्र में फ्लैगशिप हाई स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी आई है। अब 100% भूमि अधिग्रहण कार्य पूरा कर लिया गया है। पुलों, एक्वाडक्ट आदि के निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
2) पश्चिमी समर्पित माल गलियारा महाराष्ट्र से भी होकर गुज़रता है। पश्चिमी समर्पित माल गलियारे का लगभग 178 मार्ग किलोमीटर महाराष्ट्र में है, जो पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के मार्ग की कुल लंबाई का लगभग 12% है। महाराष्ट्र में न्यू घोलवड़ से न्यू वैतरना तक इस परियोजना के 76 किलोमीटर को पहले ही कमीशन कर दिया गया है। शेष कार्यों को शुरू कर दिया गया है। पश्चिम समर्पित माल गलियारे को जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट से जोड़ने से बंदरगाह से दिल्ली एनसीआर तक कार्गो और कंटेनर यातायात संभालने की क्षमता में संवर्धन होगा।

3) सूरत में पूर्णत/अंशतः पड़ने वाले कुछ महत्वपूर्ण सर्वेक्षण, जिन्हें शुरू किया गया है, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लंबाई (किलोमीटर में)
1	उधना-जलगांव तीसरी और चौथी लाइन	304
2	दहाणू-सूरत-वडोदरा-आणंद तीसरी और चौथी लाइन	311

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2025-26	19,858 करोड़ रुपए (लगभग 18 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	996 किलोमीटर	199 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	5,272 किलोमीटर	479 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 62,360 करोड़ रुपए लागत पर 3,807 किलोमीटर कुल लंबाई की 49 परियोजनाएं (10 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। कार्य की संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2025 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	10	1,227	340	10,517
आमान परिवर्तन	2	67	0	281
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	37	2,513	983	19,813
कुल	49	3,807	1,323	30,611

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में पड़ने वाली बड़ी परियोजना की स्थिति निम्नानुसार है:

परियोजना का नाम	कुल लंबाई (किमी में)	कमीशन की गई लंबाई (किमी में)	शेष लंबाई की स्थिति (किमी में)
चिपियाना-बुजुर्ग-गाजियाबाद-चौथी लाइन	3	-	कार्य शुरू किया गया है

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	डोमिनगढ़-गोरखपुर-कुसुम्ही-तीसरी लाइन और गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण (21 किलोमीटर)	508
2	बहराइच-नानपारा-नेपाल गंज आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	342
3	बलिया-गाजीपुर सिटी दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	650
4	गाज़ीपुर सिटी-तारीघाट नई लाइन (17 किलोमीटर)	1,766
5	गोंडा-गोरखपुर लूप आमान परिवर्तन (260 किलोमीटर)	863
6	गोंडा-बहराइच आमान परिवर्तन (60 किलोमीटर)	318
7	बाराबंकी-अकबरपुर दोहरीकरण (161 किलोमीटर)	1,700
8	कप्तानगंज-थावे-छपरा आमान परिवर्तन (234 किलोमीटर)	819
9	पीलीभीत-शाहजहांपुर आमान परिवर्तन (83 किलोमीटर)	589
10	इंदारा-दोहरीघाट आमान परिवर्तन (34 किलोमीटर)	213
11	लखनऊ-पीलीभीत आमान परिवर्तन (263 किलोमीटर)	1,634
12	भदोई-जंघई दोहरीकरण (31 किलोमीटर)	168
13	लहोटा-भदोई दोहरीकरण (39 किलोमीटर)	184
14	मेरठ-मुजफ्फरनगर दोहरीकरण (55 किलोमीटर)	430
15	फाफामऊ-प्रयागराज दोहरीकरण (14 किलोमीटर)	212
16	मुजफ्फरनगर-टपरी दोहरीकरण (52 किलोमीटर)	525
17	उतरेतिया-रायबरेली दोहरीकरण (66 किलोमीटर)	662
18	रायबरेली-अमेठी दोहरीकरण (60 किलोमीटर)	668
19	आलमनगर- उतरेतिया दोहरीकरण (20 किलोमीटर)	358

20	भीमसेन-झांसी दोहरीकरण (206 किलोमीटर)	2,620
21	इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 किलोमीटर)	313
22	मल्हौर-डालीगंज दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	183
23	रूमा चकेरी-चंदारी तीसरी लाइन (13 किलोमीटर)	177
24	बरेली-पीलीभीत-टनकपुर आमान परिवर्तन (102 किलोमीटर)	313
25	रोजा-सीतापुर कैंट-बुढ़वल दोहरीकरण (181 किलोमीटर)	2,094
26	जौनपुर-अकबरपुर (टांडा) दोहरीकरण (77 किलोमीटर)	676
27	रमना-रेनुकूट-सिंगरौली दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	2,436
28	जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण (47 किलोमीटर)	414
29	वाराणसी-माधोसिंह-प्रयागराज दोहरीकरण (120 किलोमीटर)	2,018
30	करैला रोड-शक्तिनगर दोहरीकरण (32 किलोमीटर)	763
31	देवबंद (मुजफ्फरनगर)-रुड़की (27 किलोमीटर)	1,289
32	आगरा-इटावा नई लाइन (110 किलोमीटर)	427
33	फेफना-इंदारा, मऊ-शाहगंज दोहरीकरण (150 किलोमीटर)	1,778

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली और शुरू की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	बाराबंकी-बुढ़वल तीसरी लाइन (27 किलोमीटर)	426
2	बुढ़वल-गोंडा कचहरी चौथी लाइन (56 किलोमीटर)	796
3	बुढ़वल-गोंडा तीसरी लाइन (62 किलोमीटर)	1118
4	बहराइच-खलीलाबाद नई लाइन (240 किलोमीटर)	4940
5	कटरा-अयोध्या धाम दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	466
6	पंडित दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज तीसरी लाइन (150 किलोमीटर)	2649
7	बिल्ली-चुनार दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1424
8	छपरा-बलिया दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	1046
9	ऊंचाहार-अमेठी नई लाइन (66 किलोमीटर)	1229
10	एटा-कासगंज नई लाइन (29 किलोमीटर)	389
11	गोरखपुर-वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (96 किलोमीटर)	1121
12	वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय तीसरी और चौथी लाइन (15 किलोमीटर)	2464

13	झांसी-खैरार-मानिकपुर और खैरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 किलोमीटर)	4330
14	सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन (81 किलोमीटर)	1320

स्टेशन पुनर्विकास

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार**
- **स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण**
- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान**
- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार/सतह का निर्माण और प्लेटफॉर्म पर कवर की व्यवस्था**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 98 स्टेशन बिहार में, 87 स्टेशन गुजरात में, 80 स्टेशन मध्य प्रदेश में और 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश में स्थित हैं, जिनमें शामिल हैं:

- खगड़िया लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के 4 स्टेशन (खगड़िया जंक्शन, महेशखुंट, मानसी जंक्शन और सिमरी बख्तियारपुर),
- समस्तीपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र का समस्तीपुर स्टेशन,
- सूरत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के 5 स्टेशन (भेस्तान, किम, सायण, सूरत और उत्राण),
- गाजियाबाद लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र का गाजियाबाद स्टेशन,
- सागर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के 2 स्टेशन (बीना और सागर)।

बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बड़हिया, बरौनी, बाढ़, बरसोई जंक्शन, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहारशरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौराम मधेपुरा, डेहरी ऑन सोन, ढोली, दिघवारा, डुमराँव, दुर्गावती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर जंक्शन, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झंझारपुर, कहलगांव, करागोला रोड, कटिहार जंक्शन, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखीमिनिया, लखीसराय जंक्शन, मधुबनी, महेशखुंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर जंक्शन, नबीनगर रोड, नरकटियागंज जंक्शन, नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलीपुत्र, पटना जंक्शन, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना), राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहिबपुर कमल, सकरी, सलौना, सलमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सीवान, सोनपुर जंक्शन, सुल्तानगंज, सुपौल, तरेगना, ठाकुरगंज, थावे
गुजरात	87	अहमदाबाद, आणंद, अंकलेश्वर, असरवा, बारडोली, भचाऊ, भक्तिनगर, भंवड़, भरूच, भतिया, भावनगर, भेस्तान, भीलडी, बिलिमोरा जंक्शन, बोटाद जंक्शन, चांदलोडिया, चोरवाड़ रोड, डभोई जंक्शन, दाहोद, डाकोर, देरोल, ध्रांगधरा, द्वारका, गांधीधाम, गोधरा जंक्शन, गोंडल, हापा, हिम्मतनगर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जामनगर, जूनागढ़ जंक्शन, कलोल जंक्शन, कनालुस जंक्शन, करमसद, केशोद, खंभालिया, किम, कोसंबा जंक्शन, लखतर, लिम्बडी, लिमखेड़ा, महेमदाबाद खेड़ा रोड,

		महेसाणा जंक्शन, महुवा, मणिनगर, मीठापुर, मियागाम कर्जन जंक्शन, मोरबी, नाडियाड जंक्शन, नवसारी, न्यू भुज, ओखा, पडधरी, पालनपुर जंक्शन, पालिताना, पाटन, पोरबंदर, प्रतापनगर, राजकोट जंक्शन, राजुला जंक्शन, साबरमती बड़ी लाइन, साबरमती मीटर लाइन, सचिन, समखियाली, संजन, सावरकुंडला, सायण, सिद्धपुर, सीहोर जंक्शन, सोमनाथ, सोनगढ़, सूरत, सुरेन्द्रनगर, थान, उधना, उदवाड़ा, उमरगांव रोड, ऊंझा, उतरन, वडोदरा, वापी, वटवा, वेरावल, वीरमगाम, विश्वामित्री जंक्शन, वांकानेर
मध्य प्रदेश	80	अकोदिया, अमला, अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बानापुरा, बरगवां, ब्योहारी, बेरछा, बेतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, बियावरा राजगढ़, छिंदवाड़ा, डबरा, दामोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासौदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, इंदौर जं, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नारदेव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनी मुरवारा, कटनी साउथ, खाचरोड, खजुराहो जं, खंडवा, खिरकिया, लक्ष्मीबाई नगर, मैहर, मक्सी जं., मंडला फोर्ट, मंदसौर, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा जं, नैनपुर जं., नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नरसिंहपुर, नीमच, नेपानगर, ओरछा, पांढुर्ना, पिपरिया, रतलाम, रीवा, रूठियाई, सांची, संत हिरदाराम नगर, सतना, सागर, सीहोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, शामगढ़, श्योपुर कलां, शिवपुरी, श्रीधाम, शुजालपुर, सिहोरा रोड, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा, विक्रमगढ़ आलोट
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग, अकबरपुर जंक्शन, अलीगढ़, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर जंक्शन, आंवला, अयोध्या धाम जंक्शन, आजमगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूं, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेरी, बहराइच, बालामाऊ जंक्शन, बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली, बरेली सिटी, बरहनी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलंदशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम कार्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शन नगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, गाजियाबाद, गाजीपुर सिटी, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड़, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जं., इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज, कासगंज, काशी, खलीलाबाद, खोरासन रोड, खुर्जा, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग) उ. रे.,

		लखनऊ सिटी, लखनऊ जं. (पूर्वो. रे.), मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जं., मगहर, महाराजा बिजली पासी, महोबा जं., मैलानी जं., मैनपुरी जं., मल्हौर जंक्शन, मानकनगर जंक्शन, मानिकपुर जं., मरिआहू, मथुरा जं., मऊ जं., मेरठ सिटी जं., मिर्जापुर, मोदी नगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद जं., मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जं., उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, फूलपुर, पीलीभीत जं., पोखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जं., पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं., रायबरेली जं., राजा की मंडी, रामघाट हॉल्ट, रामपुर, रेनूकूट, सहारनपुर जंक्शन, सलेमपुर, सेवहरा, शाहगंज जंक्शन, शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद, शिवपुर, सिद्धार्थनगर, सीतापुर जं., सोनभद्र, श्रीकृष्ण नगर, सुल्तानपुर जंक्शन, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छप्पिया, टकिया, तुलसीपुर, टूंडला जं., उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जंक्शन, उतरेतिया जंक्शन, वाराणसी कैंट, वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, व्यासनगर, जाफराबाद

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ रहे हैं और बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश निम्नलिखित स्टेशनों पर कार्य पूरे किए गए हैं:

अयोध्या धाम जंक्शन, बलरामपुर, बरेली सिटी, ब्योहारी, भिंड, बिजनौर, छिंदवाड़ा, डकोर, डेरोल, फतेहाबाद, फतेहपुर, गोधरा जं, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हापा, हरपालपुर, हाथरस सिटी, इदगाह आगरा जं, इज्जतनगर, जाम जोधपुर, जाम वन्थाली, जुन्नारदेव, कनालूस जं, करमसद, कटनी साउथ, खलीलाबाद, खंभालिया, कोसंबा जं, लिम्बदी, महुवा, मैलानी जं, एमसीएस छतरपुर, मीठापुर, मोरबी, नैनीपुर जं, नर्मदापुरम, ओखा, ओरछा, पालिताना, पनकी धाम, पीरपैंती, पोखरायां, पोरबंदर, राजुला जं., रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जं., सामाखियाली, सांसी, सिवनी, शाजापुर, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सिहोर जं., सुरेमनपुर, स्वामीनारायण चप्पिया, ठावे, उझानीनी, उत्राण और विदिशा।

अन्य स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्यकलाप अच्छी गति से शुरू किए गए हैं और इनमें से कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

खगड़िया लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र :

- खगड़िया जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन का दूसरे तल तक संरचनात्मक कार्य, प्लेटफॉर्म नंबर 2/3 की ऊंचाई बढ़ाने और विस्तार का कार्य पूरा हो चुका है। नए प्रवेश प्रांगण, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र और 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **महेशखुंट स्टेशन: स्टेशन भवन के सामने कैनोपी संरचना की स्थापना के कार्य और पहुंच मार्ग को चौड़ा करने के कार्य पूरे हो चुके हैं। स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और चारदीवारी के सुधार संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**
- **मानसी जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन का दूसरी मंजिल तक निर्माण कार्य पूरा हो गया है। नए प्लेटफार्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र और 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज के कार्य शुरू किए गए हैं।**
- **सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के कार्य पूरे हो गए हैं। 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज का कार्य शुरू किया गया है।**

समस्तीपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र :

- **समस्तीपुर स्टेशन: दूसरे प्रवेश द्वार पर नई स्टेशन बिल्डिंग का कार्य, मौजूदा प्रतीक्षालय, शौचालय और परिचलन क्षेत्र के सुधार संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

सूरत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र :

- **भेस्तान स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने, विस्तार और सतह सुधार, परिचलन क्षेत्र और 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज के कार्य शुरू किए गए हैं।**
- **किम स्टेशन: प्रवेश प्रांगण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्रतीक्षालय के सुधार, शौचालय और प्रवेश/निकास गेट के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन में सुधार, साइनबोर्ड और दिव्यांगजन की सुविधाओं संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**
- **सायण स्टेशन: स्टेशन बिल्डिंग, कॉनकोर्स, प्लेटफार्म की ऊँचाई बढ़ाने और सतह सुधारने, प्लेटफार्म शेल्टर, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और प्रवेश द्वार के सुधार कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज का कार्य शुरू किया गया है।**
- **सूरत स्टेशन: इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग बिल्डिंग, रनिंग रूम, रेल सुरक्षा बल बैरक, अस्पताल और गुजरात स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन बिल्डिंग के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। पूर्वी दिशा की ओर स्टेशन बिल्डिंग, कॉनकोर्स, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह और गुजरात स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन बिल्डिंग के फिनिशिंग कार्य शुरू किए गए हैं।**

गाजियाबाद लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र :

- **गाजियाबाद स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार की ओर तथा दूसरे प्रवेश द्वार की ओर स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, टूंडला छोर पर नए फुट ओवर ब्रिज-बी की नींव का कार्य, रूफ प्लाजा, मौजूदा फुट ओवर ब्रिज-ए का विस्तार कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे प्रवेश द्वार की ओर विद्युत उपस्टेशन के फिनिशिंग कार्य, मजिस्ट्रेट भवन, राजकीय रेलवे पुलिस और रेल सुरक्षा बल के भवनों का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

सागर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र :

- **सागर स्टेशन: स्टेशन भवन के सुधार कार्य, नए प्रवेश और निकास प्रांगण, प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने और प्लेटफॉर्म संख्या 1 की सतहकरण, प्रतीक्षालय का सुधार, नया शौचालय ब्लॉक और दिव्यांगजन सुविधाएँ पूरी कर ली गई हैं। परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

बीना स्टेशन पर, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेल्टर, सूचना काउंटर, रिटायरिंग रूम, अमानती घर, प्रतीक्षालय, लिफ्ट, फुट ओवर ब्रिज आदि सुविधाएँ उपलब्ध हैं। हाल के वर्षों में प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 पर लिफ्ट, बैठने की व्यवस्था और दिव्यांगजन जल बूथ के कार्य पूरे हो चुके हैं।
इसके अलावा, बीना़ स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें नई स्टेशन बिल्डिंग, प्रांगण, एयर कॉनकोर्स, मौजूदा प्लेटफार्मों में सुधार, पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर और फुट ओवर ब्रिज के कार्य शामिल हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माण कार्यों सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण, सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के तहत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के तहत आवंटन और व्यय का ब्यौरा स्टेशन-वार या राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेलवे-वार और कार्य-वार रखा जाता है।

ऊपरी सड़क पुल (आरओबी)/निचले सड़क पुल (आरयूबी)

भारतीय रेल में समपार के स्थान पर ऊपरी सड़क पुल (आरओबी)/निचले सड़क पुल (आरयूबी) के कार्यों को स्वीकृत करना एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों की प्राथमिकता निर्धारित की जाती है और इन्हें गाड़ी परिचालन में संरक्षा, गाड़ियों की गतिशीलता, सड़क उपयोगकर्ताओं पर प्रभाव और व्यवहार्यता आदि के आधार पर शुरू किया जाता है।

भारतीय रेल में 2004-14 और 2014-26 (जनवरी 2026 तक) की अवधि में निर्मित आरओबी/आरयूबी की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित आरओबी/आरयूबी की संख्या
2004-14	4,148 अदद
2014-26 (जनवरी 2026)	14,024 अदद

01.02.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 1,14,196 करोड़ रुपए की लागत पर 4,802 अदद आरओबी/आरयूबी स्वीकृत किए गए हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। उक्त उल्लिखित लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में चालू निर्माण कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	निर्वाचन क्षेत्र	चल रहे कार्यों की कुल संख्या (आरओबी/आरयूबी)	कुल लागत (करोड़ रुपए में)
1.	खगड़िया	8	447
2.	समस्तीपुर	6	464
3.	सूरत	39	267
4.	गाजियाबाद	21	367
5.	सागर	16	641
6.	जमुई	3	87

इसके अलावा, आरओबी/आरयूबी कार्यों के आवंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है।

बिहार राज्य चार क्षेत्रीय रेलों, अर्थात पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, पूर्वोत्त्र रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,828 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 1,584 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

गुजरात राज्य दो क्षेत्रीय रेलों अर्थात् उत्तर पश्चिम रेलवे और पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2,081 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिनमें से अब तक (जनवरी 2026 तक) 1,820 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

मध्य प्रदेश राज्य सात क्षेत्रीय रेलों अर्थात् मध्य रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 5,801 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिनमे से अब तक (जनवरी 2026 तक) 5,105 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

उत्तर प्रदेश पांच क्षेत्रीय रेलों अर्थात पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 3,794 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिनमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 3,343 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

कार्य की प्रगति सहित व्यय की निगरानी के लिए उठाए गए विभिन्न कदम इस प्रकार हैं:

- **रेलवे बोर्ड और क्षेत्रीय रेलवे स्तर सहित विभिन्न स्तरों पर नियमित समीक्षा;**
- **ऑनलाइन परियोजना निगरानी प्रणाली और डैशबोर्ड;**
- **संहिता उपबंधों और सामान्य वित्तीय नियमों का पालन;**
- **आंतरिक लेखा परीक्षा और निरीक्षण;**
- **लक्ष्य आधारित निधि जारी करना और परिणाम पर निगरानी रखना ; और**
- **लागत में बढ़ोतरी को रोकने के लिए अनुबंध प्रबंधन प्रणालियाँ।**

वर्ष के दौरान प्रगति और कार्यों की प्राथमिकता के आधार पर प्रत्यायोजित वित्तीय शक्तियों के अनुसार योजना शीर्षों में निधियों का पुनः विनियोजन किया जाता है। आवश्यक होने पर, प्रतिबद्ध देनदारियों और प्राथमिकता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उचित अनुमोदनों के साथ पूरक प्रावधान भी किए जाते हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान वास्तविक व्यय मोटे तौर पर बजट में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप है और हाल के वर्षों में बढ़े हुए पूंजी निवेश की प्रवृत्ति देखी गई है। पूंजी व्यय में इस सतत वृद्धि से परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आई है, संरक्षा में सुधार हुआ है और नेटवर्क क्षमता में बढ़ोतरी हुई है, तथा भावी योजनाएं बनाने और वास्तविक लक्ष्य निर्धारण के लिए इनपुट मिलते हैं।

****